वी.यू. के वन्यप्राणी चिकित्सकों द्वारा घायल हथिनी का किया सफल ऑपरेशन

संजय टाईगर रिजर्व की सीमा में छत्तीसगए की सीमाओं से सटे हुए जंगलों में जंगली हाथियों का झुंड मध्यपदेश की सीमा में अक्सर आया–जाया करता है। और मध्यप्रदेश वन विभाग के कुशल नेतृत्व में इन्हें पुनः उनके रहवास की ओर भेज दिया जाता है। परंतु लगभग 03 वर्ष पूर्व 04 हाथियों के झुंड द्वारा उत्पात मचाने के कारण मजबूरी में उन्हें पकड़कर संजय टाईगर रिजर्व व बांधवगढ़ टाईगर रिजर्व में रखा गया। उनमें से 01 मादा हथिनी चित्रा संजय टाईगर रिजर्व के पार्क प्रबंधन का हिस्सा बन गई मगर इसके पूर्व में लगी गोली के घाव पूर्णरूपेण ठीक नहीं होने की दशा में स्कूल ऑफ वाईल्डलाईफ फॉरेंसिक एण्ड हैल्थ, जबलपुर के संचालक को नानाजी देशमुख पशुचिकित्सा विज्ञान विश्वविद्यालय, जबलपुर के कुलपति प्रो. (डॉ.) एस.पी. तिवारी जी द्वारा आदेशित किया गया कि विगत दिनों में संजय टाईगर रिजर्व में चित्रा नामक हथिनी को गोली लगने की घटना के पश्चात उसके घावों से मवाद रिस रहा है, अतः आप सर्जरी विशेषज्ञों की टीम लेकर शीध्रातिशीध्र संजय टाईर रिजर्व, सीधी के लिए रवाना हों तदानुसार डॉ. शोभा जावरे, जो वर्तमान प्रभारी संचालक है और स्वयं पशु शल्य चिकित्सा विज्ञान की विशेषज्ञ हैं ने सहायक प्राध्यापक द्वय डॉ. अमोल रोकड़े और डॉ. बबीता दास के साथ संजय संजय टाईगर रिजर्व पहुॅची ओर वहा के स्थानीय पशुचिकित्सक डॉ. अभय संगेर से घायल हथिनी के स्वास्थ्य संबंधी जानकारी हासिल कर उसके गोली के घाव के साथ–साथ संपूर्ण शारीरिक परीक्षण किया और तत्काल सर्जरी करने की मंशा जाहिर की। चूॅकि इस घाव का उपचार विगत दो वर्षों से चल रहा था इसके बावजूद भी हथिनी का घाव बना हुआ था। अतः वन्यप्राणी चिकित्सकों की टीम ने लगभग 03 घेंटे में इस ऑपरेशन को सफलतापूर्वक संपन्न किया। तत्पश्चात हथिनी के शल्य चिकित्सा के बाद आवश्यक औषधि के सेवन एवं हथिनी के रखरखाव हेतु पार्क प्रबंधन को आवश्यक सुझााव दिये, ताकि घाव जल्द से जल्द भरें। इस दौरान संजय टाईगर रिजर्व के क्षेत्र संचालक, श्री वाई.पी सिंह, बॉधवगढ़ टाईगर रिजर्व के वन्यप्राणी चिकित्सक डॉ. नितिन गुप्ता एवं अन्य अधिकारी, कर्मचारी उपस्थित रहे।

सूचना एवं जनसंपर्क अधिकारी
ना.दे.प.चि.वि.वि., जबलपुर